पकड़ लो बाँह रघुराई

पकड़ लो बाँह रघुराई,
नहीं तो डूब जाएँगे...-2

डगर ये अगम अनजानी,
पथिक मै मूड अज्ञानी ।
संभालोगे नही राघव,
तो कांटे चुभ जाएँगे....-2
पकड़ लो बाँह रघुराई,
नहीं तो डूब जाएँगे ।

नहीं बोहित मेरा नौका,
नहीं तैराक मै पक्का ।
कृपा का सेतु बंधन हो,
प्रभु हम खूब आएँगे....-2
पकड़ लो बाँह रघुराई,
नहीं तो डूब जाएँगे ।

नहीं है बुधि विधा बल,
माया में डूबी मती चंचल ।
निहारेंगे मेरे अवगुण,
तो प्रभु जी ऊब जाएँगे....-2
पकड़ लो बाँह रघुराई,
नहीं तो डूब जाएँगे ।

प्रतीक्षारत है ये राजन ,
शरण ले लो सिया साजन ।
शिकारी चल जिधर प्रहलाद,
जी भूल जाएँगे....-2
पकड़ लो बाँह रघुराई,
नहीं तो डूब जाएँगे ।
नहीं तो डूब जाएँगे,
नहीं तो डूब जाएँगे ।

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/22907/title/pakad-lo-baah-raghurayi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |